आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–25 *फरवरी* 2025 **7:20 AM**

**पहले मुख्य समाचार।**

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जारी की पीएम किसान सम्मान निधि की उन्नीसवीं किस्त। कहा–किसानों की हर समस्या के समाधान के लिये पूरी ताकत से काम कर रही सरकार।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानमण्डल में राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में लिया हिस्सा। कहा– विश्वस्तरीय सुविधा से ही तिरसठ करोड़ श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में किया स्नान।
- प्रयागराज महाकुंभ का महाशिवरात्रि पर्व पर अंतिम स्नान कल। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये किये विशेष प्रबंध।
- वाराणसी में काशी–तमिल संगमम का तीसरा संस्करण सम्पन्न। समापन कार्यक्रम में शामिल हुए केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकान्त मजूमदार और ओडिसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी।

**********

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के भागलपुर से कल देशभर के नौ करोड़ अस्सी लाख किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की उन्नीसवीं किस्त जारी की। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी परिकल्पना है कि दुनिया की प्रत्येक रसोई घर में भारतीय किसान द्वारा उत्पादित कम से कम एक व्यंजन होना चाहिए।

***मेरा तो सपना है कि दुनिया की हर रसोई में भारत के किसान का उगाया कोई न कोई उत्पाद होना ही चाहिए। इस वर्ष के बजट ने भी इसी विजन को आगे बढाया है।***

योजना की किस्त जारी करने पर प्रधानमंत्री ने किसानों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसान केंद्र सरकार की प्राथमिकता हैं और उनकी हर समस्या के समाधान के लिए सरकार ने पूरी ताकत से काम किया है।

प्रदेश के अमरोहा, उन्नाव और महराजगंज समेत कई जिलों में प्रधानमंत्री द्वारा किसान सम्मान निधि जारी करने के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किसानों ने देखा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये प्रधानमंत्री को सम्मान निधि जारी करने पर धन्यवाद दिया। सहारनपुर जिले के किसान संवाद सैनी ने प्रधानमंत्री को किसान सम्मान निधि की किस्त जारी करने के लिए आभार जताया।

***19वीं किस्त मेरे खाते में आ चुकी है और मैं इस किसान सम्मान निधि से अपने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का शुक्रगुजार हूं और मैं बहुत–बहुत बधाई और धन्यवाद देना चाहता हूं। जब किसान को यूरिया की या कृषि के किसी जरूरत होती है तो उस समय पैसे न हो तो अपने किसान सम्मान निधि से उसका पूरा कर सकता है।***

**********

प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के पांचवें दिन कल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लिया। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान शोर शराबा करते हुए संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के प्रति विपक्ष ने अपनी सोच दिखा दी है। मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष से कहा कि महाकुम्भ में अगर विश्वस्तरीय सुविधा नहीं होती तो अब तक तिरसठ करोड़ श्रद्धालु उसका हिस्सा नहीं बनते।

***महाकुंभ में अगर विश्वस्तरीय सुविधा नहीं होती, अब तक तिरसठ करोड़ से अधिक श्रद्धालु इस महाकुंभ के आयोजन का हिस्सा नहीं होते। अभी महाशिवरात्रि आयेगी 26 फरवरी को मेरा अनुमान है कि जिस प्रकार देश और दुनिया महाकुंभ के प्रति आकर्षित है। यह पैंसठ करोड़ की संख्या पार होगी।***

मुख्यमंत्री के संबोधन के बाद राज्यपाल के अभिभाषण पर लाये गये संशोधन प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया। सदन में बजट पर चर्चा तीन दिन तक चलेगी। वहीं विधान परिषद में कल शून्य प्रहर में समाजवादी पार्टी ने प्रदेश की कानून व्यवस्था का मामला सदन में उठाया। नेता सदन और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में लोकसभा, राज्यसभा हो या विधान सभा सभी जगह बेटियों को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। सरकार के जवाब से असंतुष्ट सपा सदस्यों ने सदन से वाक आउट किया।

**********

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड की परीक्षाएं कल से शुरू हो गईं। यह बारह मार्च तक चलेंगी। इस बार आठ हजार से अधिक परीक्षा केन्द्रों पर चौवन लाख से ज्यादा परीक्षार्थी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहे हैं। प्रदेश के सत्रह जनपदों के तीन सौ छह परीक्षा केन्द्रों को अति संवेदनशील घोषित किया गया है। परीक्षा को सुचारु रुप से संचालित करने के लिए इस बार जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम के साथ ही राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से भी परीक्षा केन्द्रों की निगरानी की जा रही है। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने भी कल सुबह परीक्षाओं की ऑनलाइन निगरानी के लिए लखनऊ में बने कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया।

**********

प्रयागराज महाकुंभ का आखिरी स्नान महाशिवरात्रि पर्व पर कल होगा। इसे देखते हुए प्रयागराज जिला प्रशासन ने विशेष प्रबंध किये हैं। वहां के जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ ने बताया कि प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं का सुगमता से स्नान सुनिश्चित करना और उनका अनुभव दिव्य और अविस्मरणीय बनाना है।

*तैयारियां हमारी पूरी हैं। लगातार जितने हमारे शिव मंदिर हैं सभी की साफ सफाई, सभी की सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं के हितार्थ जितने कदम उठाए जाने थे जैसा अभी माननीय मुख्यमंत्री जी ने पिछली वीसी में हम सबको डाइरेक्शन दिया था तो उसपे हम सभी लोगों ने काम किया है। वहां बैरिकेडिंग करानी हो, पुलिस की व्यवस्था करानी हो, प्रशासनिक अधिकारियों को लगाना हो और मंदिर प्रबंधन के साथ में बेहतर तालमेल को हम सबने सुनिश्चित किया है जितने हमारे शिव मंदिर वहां पे जल चढ़ाना हो और इसके अतिरिक्त स्नान करना हो दोनों चीजें महत्वपूर्ण होंगी और जो हमारे लेटे हुए हनुमान जी पे और अक्षयवट सरस्वती कूप पे भी दर्शन पूर्ण होंगे तो सभी जगह पे हमने व्यवस्था की हैं।*

उधर, प्रयागराज में महाकुंभ के त्रिवेणी संगम पर रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के आने का क्रम जारी है। कल देर शाम तक एक करोड़ तीस लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान कर लिया था। वहीं तेरह जनवरी से कल देर शाम तक स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या तिरसठ करोड़ छत्तीस लाख से अधिक पहुंच गई थी। कल भी कई विशिष्ट लोगों ने स्नान किया। प्रस्तुत है एक रिपोर्ट–

*मुख्य निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेश कुमार ने अपने परिवार के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी महाकुंभ में पहुंचे। लोकसभा सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता रवि किशन, राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी, बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार, अभिनेत्री कैटरीना कैफ, सोनाली बेंद्रे और रवीना टंडन ने भी पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। आदर्श के साथ अभिषेक कपिल आकाशवाणी समाचार प्रयागराज।*

इस बीच, महाकुंभ मेला क्षेत्र में कल एक साथ पंद्रह हजार से अधिक स्वच्छता कर्मियों ने महाभियान चलाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का प्रयास किया। इसके तहत चार अलग अलग स्थानों पर एक साथ पांच मिनट तक सफाई कर रिकॉर्ड दर्ज कराया गया।

**********

काशी तमिल संगमम का तीसरा संस्करण कल वाराणसी में सम्पन्न हो गया। समापन अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार और ओडिसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी उपस्थित रहे। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह कोई साधारण आयोजन नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने का माध्यम है। संगमम् के अन्तिम दिन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में वाराणसी और तमिल संस्कृति के अद्वितीय मेल का लोगों ने दर्शन किया। पन्द्रह फरवरी को शुरू हुए इस आयोजन के तहत तमिलनाडु से लगभग एक हजार से अधिक लोगों ने काशी आकर यहां की संस्कृति को समझा और तमिलनाडु से उसके संबंधो के बारे में जाना।

**********

कल महाशिवरात्रि को देखते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने मंदिर में आज से सत्ताइस फरवरी के बीच दर्शन–पूजन के लिये किसी तरह के प्रोटोकॉल को लागू न होने देने का निर्णय लिया है। वहां के जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने बताया कि महाकुंभ से काशी आ रहे श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या और नागा संतों के नगर प्रवेश को लेकर यह व्यवस्था बनायी गयी है। जिलाधिकारी ने बताया कि उनका प्रयास काशी विश्वनाथ मंदिर में गर्भ गृह के चारों दरवाजों से श्रद्धालुओं को दर्शन कराने का है।

**********